भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2750 का उत्तर

सीतारामपुर से मुगलसराय तक तीसरी रेल लाइन

2750. श्री गिरिधारी यादव:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या पूर्व मध्य रेल के मुगलसराय और पूर्व रेल के सीतारामपुर के बीच के खंड पर भारी रेल यातायात के कारण रेलगाड़ियाँ अकसर विलंब से चलती हैं
- (ख) यदि हां, तो क्या सरकार का सीतारामपुर से मुगलसराय तक तीसरी रेल लाइन बिछाने का विचार है; और
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): भारतीय रेल नेटवर्क पर, यात्री और मालगाड़ियाँ एक ही रेलपथ पर चलती हैं। बाध्यताओं के बावजूद, भारतीय रेल लगातार समय पर गाड़ियों का परिचालन करने का प्रयास करती है। बहरहाल, कई बार, परिसंपत्तियों की विफलता, कानून-व्यवस्था की समस्या, प्राकृतिक आपदाओं, कोहरे, खराब मौसम की परिस्थितियों आदि जैसे विभिन्न कारकों के कारण गाड़ियाँ देरी से चलती हैं।

इसके अलावा, मौजूदा नेटवर्क की क्षमता में सुधार लाने के लिए, रेलवे द्वारा कई क्षमता वृद्धि/संवर्धन सर्वेक्षण/कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों में मल्टी ट्रेकिंग, रेल फ्लाईओवर, बाई पास लाइनें, यार्ड पुनर्संरचना कार्य आदि शामिल हैं।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन (डीडीयू) और सोननगर के बीच तीसरी लाइन पहले से ही मौजूद है। इसके अतिरिक्त, सोननगर से सीतारामपुर तक तीसरी और चौथी लाइन के कार्य को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-किऊल-झाझा-सीतारामपुर (589 किमी) के बीच तीसरी लाइन के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को भी मंजूरी दी गई है।